एक नजर में

सतत सृजन ही बालमंच की पहचान-पाराशर

उज्जैन। बालमंच लगातार सामाजिक, पर्यावरण चेतना, विज्ञान चेतना और समाज के अनेक पक्षों पर अपने कार्य करती रही है। पिछले 40 वर्षों से उनकी यह सकारात्मकता ही उनकी पहचान बन गई है। यह बात बालमंच संस्था की स्थापना के चालीस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आचार्य शैलेंद्र पाराशर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कही। स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए पूर्व डीजीपी प्रवीण ठाकुर ने संस्था के समाज के प्रति समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां बच्चों को सिर्फ रंगमंच की शिक्षा ही नहीं जाती है बल्कि उन्हे जीवन को सही ढंग से जीने की कला सिखाई जाती है। संस्था के संरक्षक सतीश दवे ने इस लंबी सफल यात्रा का श्रेय समर्पित सदस्यों को दिया। आपने बताया कि 40 वर्षों में संस्था ने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभियानों का आयोजन किया है। विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र पांचाल ने संस्था के सुनियोजित कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा बालमंच के संस्थापक सदस्य भी बच्चे ही थे। अब उनके बच्चे संस्था में आते है। अमिताभ सुधांशु ने इसे व्यक्तित्व विकास का केंद्र बताते हुए सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। फिर सीमा धुलेकर ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। उसके बाद दृष्टि जैन ने गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया। संस्था की सचिव डॉ हेमलता ओझा ने स्वरचित कविता का पाठ किया और केतकी ओझा ने एक प्रेरणा गीत गाया। संस्था के सदस्यों राजेश जूनवाल, शुभम सत्यप्रेमी, हर्षित शर्मा, अनंत वर्मा, दुर्गेश सूर्यवंशी, मधु लालवानी, सुदर्शन स्वामी, आयुष शर्मा, शशिधर नागर, हिमांशी तिवारी, शिरीष सत्यप्रेमी आदि ने पिछले साल में हुए उनके रोचक अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के संयोजक रौनक वर्मा, ऋषि वर्मा, महेश गोस्वामी, रौनक शाक्य, उन्नति शर्मा, निखिल गोयल थे। संचालन प्रसिद्ध संचालक दुर्गेश सूर्यवंशी ने किया और सतत सृजनशीलता का संकल्प दिलाते हुए सभी का आभार संरक्षक महेंद्र ओझा ने माना।

5 लाख ओम नम : शिवाय जप यज्ञ

उज्जैन। श्री अग्रवाल जैसिस द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सावन के आगमन पर 5 लाख ओम नम : शिवाय जप यज्ञ का आयोजन प्राचीन श्री राम जनार्दन मंदिर अंकपात मार्ग पर किया गया। कार्यक्रम संयोजक विजय अग्रवाल ने बताया कि इस ओम नम : शिवाय के जप यज्ञ के साथ अभिमंत्रित मिट्टी से 1100 शिवलिंग का भी निर्माण किया गया। इस शिवलिंग के निर्माण में सीमा अग्रवाल, शकुंतला अग्रवाल, संध्या अग्रवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सचिव मोहित अग्रवाल ने बताया कि योगेश टेलर की भजन मंडली ने शिव भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को शिव में बना दिया। इस अवसर पर शिवलिंग का रुद्राभिषेक पंचामृत से प्रत्येक जोड़े द्वारा किया गया। इस अवसर पर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, न्यास के पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्टी विजय अग्रवाल, ट्रस्टी गोविंद गोयल, मधुर गर्ग, संजय अग्रवाल सीए, जय किशन अग्रवाल, पूर्व ट्रस्टी सुरेश गोयल, पूर्व ट्रस्टी जगदीश चंद्र गोयल, पूर्व ट्रस्टी कैलाशचंद्र मित्तल, मंडी उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, अग्रवाल जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, नरेंद्र गुप्ता, अजय गर्ग, तरुण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आयुष अग्रवाल, मनोहर गर्ग, सचिव मोहित अग्रवाल, बैंक डायरेक्टर राजेश गुप्ता, योगेश गुप्ता, संजय अग्रवाल, विजय गोयल, जगदीश अग्रवाल इंदिरा नगर, सत्यनारायण अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, विजया अग्रवाल, शर्मिला गुप्ता, प्रिया मित्तल, नीलम मित्तल, रेखा गुप्ता, शारदा अग्रवाल, रंजीता अग्रवाल, कविता अग्रवाल, निहारिका गर्ग, रेखा गर्ग, निशा अग्रवाल, रानू अग्रवाल, शीला अग्रवाल, टीना बंसल सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित थे। इस अवसर पर महाआरती अतिथियों द्वारा की गई। आभार अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल ने माना।

पर्यावरण संरक्षण : 121 पौधों का सुरक्षित रोपण

उज्जैन। लॉयंस क्लब उज्जैन ऊर्जा एवं मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड उज्जैन द्वारा पर्यावरण प्रेमी परिवार, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि महानगर, वसुन्धरा हरियाली महोत्सव समिति उज्जैन के साथ सामूहिक प्रयास से एक पेड मां के नाम अभियान के अन्तर्गत 121 फलदार, छायादार पौधों का सुरक्षित पौधा रोपण किया गया। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के अति. कैबिनेट सेक्रेट्री एम.जे.एफ लायन जे. पी. पंचारिया, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर (पर्यावरण) लायन सुरेखा दुबे, कार्यपालन यंत्री इंजी. उमेश चौरसिया म.प्र. पश्चिम क्षेत्र वि. वित. कं. लि. के आतिथ्य में ग्राम पंचायत बमौरा में नवनिर्मित 33/11 केवी सब स्टेशन बमौरा के सुरक्षित परिसर में पौधारोपण किया गया। यहाँ पर वसुंधरा हरियाली महोत्सव समिति सदस्य सारिका सिकरवार की माताजी एवं पर्यावरण प्रेमी परिवार के सदस्य जय मालपानी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सहा. यंत्री श्रेयांस गुप्ता म.प्र. पश्चिम क्षेत्र वि. वित. कं. लि. उज्जैन, लायन डॉ. राम मोहन शुक्ल पूर्व रीजन चेयरपर्सन, एम.जे.एफ लायन सुभाषचंद्र दुबे डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, लायन संजीव आचार्य, लायन किरण पंवारिया, लायन ओमप्रकाश जाटव, लायन इंजी वीरेंद्र कुमार गोयल, पूर्व वन विभाग अधिकारी श्री पंवार, ग्राम पंचायत बमौरा सरपंच गोपाल जाट, उप सरपंच रमेश चौधरी, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि महानगर, वसुन्धरा हरियाली महोत्सव समिति, पर्यावरण प्रेमी परिवार उज्जैन के सदस्य गण, ग्राम बमौरा के निवासी गण तथा 33/11 केवी सब स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारी स्टाफ उपस्थित थे। पौधों के संरक्षण एवं सुरक्षा की व्यवस्था का संकल्प बमौरा सब स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारियों ने लिया। अंत में सभी का आभार वरिष्ठ परीक्षण सहा. महेश भारती द्वारा दिया गया।

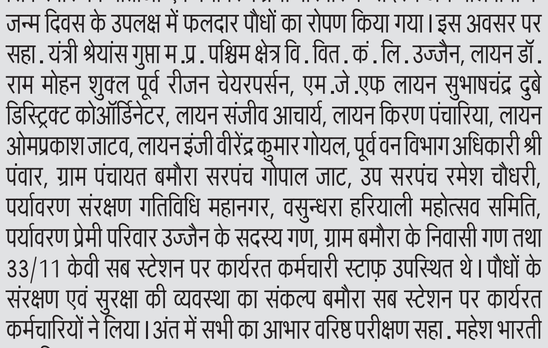

अग्रवाल विकास समिति ने मनाया हरियाली उत्सव

उज्जैन। उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन भवन अलखनंदा नगर में हरियाली उत्सव का आयोजन किया गया। बच्चे एवं कपल के लिये मनोरंजक गेम्स के साथ ही मानसून तम्बोला, हाऊजी, बच्चों के लिए स्विमिंग पूल का आयोजन किया गया। वहीं प्रथम 11 आने वाले सदस्यों को पुरस्कृत किया गया। गौरीसन होटल एंड रिसॉर्ट में आयोजित समारोह में संस्था के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण अग्रवाल की पोती आरुषि अग्रवाल को सीए बनने पर संस्था द्वारा रजत पत्र, शॉल ओढ़ाकर, श्री फल, माला से सम्मानित किया। इस दौरान अध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल, सांस्कृतिक सचिव पंकज-रूपाली अग्रवाल, सचिव सुनील अग्रवाल, संयोजक अजीत-कविता मंगलम; शिव-मनीषा अग्रवाल सहित बजरंग लाल हरभजनका, ओमप्रकाश गर्ग, दिनेश हरभजनका, वीके गोयल मौजूद सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

सावन की प्रथम सवारी में देशभर से आस्था उमड़ी अपार, 4 लाख पार

बटुकों ने किया नवाचार, वैदिक उद्घोष से बाबा का सत्कार, चांदी की पालकी में भक्तों को दर्शन देने निकले बाबा महाकाल

उज्जैन। सावन के प्रथम सोमवार को बाबा महाकाल प्रजा का हाल-चाल जानने के लिए जब निकले तो मार्ग के दोनों छोर पर श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के जयकारे लगाए। भजन मंडलियों से लेकर डमरू दल और महिलाओं की मंडली भजन करते हुए पालकी के आगे आगे चल रही थी। पालकी निकलने से पहले ही मंदिर में एक लाख श्रद्धालु दोपहर 2 बजे तक पहुंच चुके थे।

सोमवार को देश प्रदेश से श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे और बाबा महाकाल की एक झलक पाने को आतुर रहे। बाबा महाकाल की सवारी में डमरू बजाते हुए जहां मंडली चल रही थी। वहीं महिलाओं का कारवां भी भजन गाते हुए चल रहा था, खास बात यह रही की अलग-अलग मंडलियों ने अलग-अलग तरह की वेशभूषा धारण कर रखी थी। कहीं हरी साड़ी में महिलाएं नजर आ रही थीं, तो कहीं केसरिया में, वहीं पुरुष श्रद्धालुओं के भी अलग-अलग परिधान थे। किसी ने धोती कुर्ता पहना था तो किसी ने कुर्ता पजामा और जैकेट धारण कर रखी थी। लाल पीले सफेद अलग-अलग तरह की वेशभूषा में श्रद्धालु नजर आ रहे थे।

एक भक्त ने बाबा महाकाल को पालकी भेंट की। यह रजत पालकी 1 वर्ष पूर्व दान की गई थी। सागौन की लकड़ी और स्टील के पाइप का उपयोग पालकी बनाने के लिए किया गया। इस बार नई पालकी जिस प्रकार से बनाई गई थी उसमें 20 किलो 600 ग्राम चांदी लगाई गई। लगभग 100 किलो वजन की ये पालकी है। पालकी को उठाने के लिए सिंह मुख की आकृति बनाई गई है। वहीं सूर्य, स्वास्तिक, कमल पुष्प, और दो शेर भी पालकी पर बनाए गए हैं ।

शाम 7 बजे जब बाबा महाकाल की पालकी गोपाल मंदिर पर आई तो द्वारकाधीश भगवान के समक्ष पुलिस बैंड ने पहले कुंज बिहारी की आरती गई। उसके बाद पालकी जब मंदिर के समक्ष आई तो जय शिव ओंकारा का भजन गूंज उठा, श्रद्धालुओं ने सड़क मार्ग के दोनों छोर पर खड़े होकर पुष्प वर्षा की और बाबा महाकाल के जयकारे लगाए पालकी पटनी बाजार, गुदरी चौराहा महाकाल चौराहा होती हुई रात 8 बजे पुन: महाकाल मंदिर पहुंची। इस सावन सोमवार के पश्चात 21 जुलाई को, द्वितीय सवारी निकलेगी 28 जुलाई को, तृतीय सवारी निकलेगी 4 अगस्त को, चतुर्थ सवाल निकलेगी 11 अगस्त को, पंचम सवारी निकलेगी और 18 अगस्त को अंतिम राजसी सवारी निकलेगी। प्रत्येक सवारी में बाबा महाकाल अलग-अलग स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। बाबा महाकाल पालकी के साथ ही हाथी, गरुड़, नन्दी रथ पर भी विराजित होते हैं और बाबा महाकाल इसी तरह भक्तों को लगातार दर्शन देते हैं।

नवभारत की कलेक्टर से चर्चा

नवभारत से चर्चा में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि 5 किलोमीटर लगभग यह सवारी मार्ग रहा। जिसमें कई घंटे तक लगातार भक्त बाबा महाकाल के जयकारे लगाते रहे। पुष्प वर्षा करते रहे, लगभग 4 लाख भक्तों ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। 15 से अधिक भजन मंडली और अन्य दल महाकाल की सवारी में शामिल रहे। बाबा महाकाल की सवारी 14 जुलाई को पहली बार सावन में निकली है।

कलेक्टर एसपी प्रशासक डटे रहे

उज्जैन कलेक्टर और महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह भी महाकाल मंदिर दोपहर 12 बजे ही पहुंच गए थे और निकलने वाली बाबा की महाकाल की पालकी के अंतर्गत जो व्यवस्थाएं की गई थी। उनका अवलोकन किया। साथ में महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक भी रहे और उन्होंने भी कलेक्टर को समुचित जानकारी उपलब्ध कराई। इस दौरान एसपी प्रदीप शर्मा ने भी सुरक्षा व्यवस्था जुटाई और पुलिस बल को चप्पे चप्पे पर तैनात किया। पुलिस ने बैरिकेट्स लगाकर श्रद्धालुओं को जहां नियंत्रित किया, वहीं सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से असमाजिक तत्वों पर भी नजर रखी गई। पिछले आठ दिन से पुलिस लगातार सवारी की तैयारी में जुटी हुई थी और हर गली मोहल्ले में ऐसे लोगों की जांच की जा रही थी जो संदिग्ध है।

शाम 4 बजे सभा मंडप से निकली पालकी

महाकाल की सवारी 4 बजे सभा मंडप से जब निकली तो रजत पालकी में बाबा महाकाल आरूड़ हुए और भक्तों को मार्ग पर दर्शन दिए, महाकाल की सवारी जब शिप्रा नदी पर पहुंची तो यहां मोक्षदायिनी मां शिप्रा के पावन जल से बाबा का जलाभिषेक हुआ। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार प्रत्येक सवारी में नवाचार किए जाते हैं। सोमवार को निकली प्रथम सवारी में 500 से अधिक बटुकों ने वेद उद्घोष भी किया यह नवाचार इस बार सवारी में रहा की बटुकों द्वारा सवारी के दौरान वेद उद्घोष किया। इस बाबा महाकाल की सवारी में शामिल होने मंत्री तुलसी सिलावट से लेकर मंत्री पहले प्रहलाद पटेल भी हुए और बाबा महाकाल के दर्शन किए। बाबा महाकाल इस बार नई पालकी में आरूड़ होकर भक्तों को दर्शन देने के लिए निकले।

रात 2 .30 बजे जागे, डेढ़ घंटे पहले भस्मारती

उज्जैन। श्रावण मास में भगवान महाकाल की दिनचर्या बदल गई है। रोज तड़के 4 बजे होने वाली बाबा की भस्मारती श्रावण के पहले सोमवार को रात 2 .30 बजे से की गई। भगवान महाकाल सामान्य दिनों की अपेक्षा डेढ़ घंटे पहले जागे। श्रावण में सोमवार को रात 2 .30 बजे व प्रतिदिन 3 बजे से पट खोले जाते हैं। भस्मारती में भी हजारों लोग उमड़े। श्रावण मास में देश भर से श्रद्धालु उज्जैन में महाकाल के दर्शन के लिए उमड़े तो बाबा की सवारी भी देखी। श्रावण मास शुरू होने से पहले ही यहां देशभर के भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि 07 जुलाई से 13 जुलाई 2025 तक 11 लाख 6 हजार 270 भक्तों ने प्रात: 06 बजे से रात्रि पट बंद होने तक दर्शन लाभ प्राप्त किया। चलित भस्मार्ती में 26 हजार 996 भक्तों ने दर्शन किए।

चामुंडा माता चौराहा पर शव रख किया चक्काजाम

फंदे पर लटकी मिली थी लव मैरिज करने वाली युवती

उज्जैन। रात में लव मैरिज करने वाली युवती कमरे में फंदे पर लटकी मिली। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने चामुंडा माता चौराहा पर शव चक्काजाम किया। आरोप था कि हत्या की गई है। पुलिस के द्वारा जांच का आश्वासन दिया गया उसके बाद जाम खुला।

दमदमा स्थित राजीव गांधी नगर में रहने वाली डॉली पति प्रदीप उर्फ काला 21 वर्ष रविवार रात मकान की ऊपरी मंजिल पर कमरे में फंदे पर लटकी मिली थी। ननद प्रिया कमरे में पहुंची तो उसने डॉली को लटका देख परिजनों को बुलाया। मायके वाले जानकारी लगते ही अस्पताल पहुंच गए थे। माधवनगर पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया। भाई लकी ने बताया कि 6 माह पहले क्षेत्र में रहने वाले प्रदीप से लव मैरिज की थी। 10 जुलाई को डॉली का फोन आया था उसने बताया था कि पति मारपीट करता है आकर ले जाओ खाना भी नहीं दे रहे हैं। भाई और परिजनों का कहना था कि उसे करने के बाद फंदे पर लटकाया गया है। उसका शरीर काला पड़ चुका है और बदबू भी आ रही है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने चामुंडा माता चौराहा पर शव रख चक्काजाम कर दिया उनकी मांग थी कि पति और उसके परिवार वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। करीब आधे घंटे तक चौराहा पर जाम लगा रहा। जिसके चलते मार्ग के चारों ओर वाहनों की कतार लग गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचे जांच का आश्वासन दिया और चक्काजाम खुलवाया। माधव नगर थाना प्रभारी राकेश भारती का कहना था कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की जांच की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मामला पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगा।

नाले से मिली 20 दिन पुरानी लाश

उज्जैन। मंगलनाथ मार्ग पर सोमवार दोपहर नाले से 20 दिन पुरानी लाश मिलना सामने आया है जिसकी पहचान करना भी मुश्किल लग रहा था। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि दोपहर में एक युवक ने सूचना देकर बताया कि मंगलनाथ मार्ग एमपीईबी कार्यालय के पास नाले में लाश पड़ी है और काफी दुर्गंध आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद लाश को बाहर निकल गया। जो करीब 20 दिन पुरानी होना सामने आई। मृतक का चेहरा पूरी तरह से गल चुका था वही शरीर की हड्डियां बाहर निकल आई थी। उसकी पहचान कर पाना भी मुश्किल लग रहा था। लाश को पोस्टमार्टम कक्ष पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार मामले में मार्ग काम किया गया है मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार कराया जाएगा। मृतक ने चौकड़ी की शर्ट और काले रंग का लोवर पहन रखा है।

निगरानी के बाद भी महाकाल की सवारी में सक्रिय रहे बदमाश

मंदिर के आसपास हुई वारदात, मोबाइल चेन गायब

उज्जैन। बाबा महाकाल की पहली सवारी में लाखों की संख्या श्रद्धालुओं की दिखाई दी जिसमें बदमाश भी सक्रिय बने रहे। मंदिर के आसपास और सवारी मार्ग पर कई श्रद्धालुओं के मोबाइल-पर्स और चेन गायब हो गए। जबकि बैठक में कहा गया था कि ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी।

सावन माह में निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारी के दौरान प्रतिवर्ष पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को बदमाश चुनौती देते हैं। सोमवार को पहली सवारी होने पर देश भर के लाखों श्रद्धालु महाकाल मंदिर दर्शन करने और सवारी में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। आस्था की इस भीड़ के बीच बदमाश भी सक्रिय दिखाई दिए। सुबह के समय मंदिर के आसपास 20 से अधिक श्रद्धालुओं के मोबाइल और कीमती सामान चोरी हो गया यही नहीं कुछ श्रद्धालुओं की चेन गायब होने की जानकारी भी सामने आई। पुलिस मौजूद थी इसके बदमाश भीड़ का फायदा उठा रहे थे। शाम 4 बजे महाकाल मंदिर बाबा की सवारी निकाली गई जो रामघाट पहुंची जहां पूजन अभिषेक के बाद वापस परंपरागत मार्ग से मंदिर की और लोटी इस बीच भी बदमाशों ने कई श्रद्धालुओं के साथ मोबाइल और पर्स चोरी को अंजाम दिया था। महाकाल पुलिस के अनुसार सवारी खत्म होने के बाद भी कुछ श्रद्धालु अपना मोबाइल और कीमती सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज करने के लिए थाने आ रहे थे। प्रतिवर्ष सवारी के दौरान बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए देशभर से श्रद्धालु आते हैं जिनके साथ वारदातें होना सामने आता है पुलिस की सख्ती के बाद भी बदमाश भीड़ में वारदात रात में लव मैरिज करने वाली निकल जाते हैं। पुलिस ड्रोन के साथ सादी वर्दी में तैनात रहती है, वारदातों के बाद संदिग्धों को ही पकड़ा जाता है। जिनके पास से पुलिस कुछ बरामद नहीं कर पाती है। श्रद्धालु अपने साथ हुई वारदात के बाद समान नहीं मिलने पर उदास मन से लौट जाते हैं।

स्वास्थ्य की समीक्षा — जिला स्तरीय मातृ एवं शिशु मृत्यु समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया

मातृ एवं शिशु मृत्युदर को नियंत्रित करने के लिए प्रोटोकॉल का पालन करें

नवभारत न्यूज

उज्जैन। स्वास्थ्य को लेकर प्रदेश सरकार काफी सजग है। खास कर गर्भवती महिलाओं के लिए तमाम सुविधाएं विकासखंड से लेकर जिला मुख्यालय पर की गई। वहीं इन सभी कार्यों की समीक्षा भी महीने में एक बार की जाती है और सभी को नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की समझाइश दी जाती है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन द्वारा जानकारी बताया कि जिला स्तरीय मातृ एवं शिशु मृत्यु समीक्षा बैठक का आयोजन में डॉ. सुनीता परमार प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी, जिला उज्जैन के मार्गदर्शन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन मे दिनांक 14 जुलाई 2025 को किया गया।

बैठक में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, डॉ. संगीता पलसानिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितेंद्र राजपूत, एसएनसीयु प्रभारी डॉ. महेन्द्र अहिरवार, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीष भद्रावले, जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर अनस कुरैशी, समस्त ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक, समस्त ब्लाक कम्युनिटी मोबिलाइजर सहित विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित हुए।

गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत एएनसी पंजीयन कर

बैठक में निर्देश दिये गये कि, गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत एएनसी पंजीयन करें व प्रसव पूर्व 4 एएनसी जांचे भी शतप्रतिशत करे। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर पूर्ण निगरानी एवं प्रबंधन सुनिश्चित करे। शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव करवाए। मातृ एवं शिशु मृत्युदर को नियंत्रित करने हेतु समस्त आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करे। जिन क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु मृत्यु अधिक हुई है वहा ट्रेकिंग कर सुधारात्मक कार्यवाही करे। किसी भी गर्भवती महिलाओं को अनावश्यक रैफर न करे। सीजेरियन प्रसव वाली गर्भवती महिलायें व सामान्य प्रसव गर्भवती महिलाओं का नियमित रूप से फॉलोअप भी सुनिश्चित करे। जिले की समस्त प्रसव केन्द्रों का संचालन निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार करे। संस्था पर कार्यरत स्टाफ को पूर्ण प्रशिक्षित कर सेवायें प्रदान करवाये। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का शतप्रतिशत टीकाकरण करे। मातृ एवं शिशु मृत्यु होने पर चौबीस घंटे की भीतर वरिष्ठ स्तर पर रिर्पोट करे। जिले में कार्यरत समस्त सीएचओ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर अपने मुख्यालय पर रहकर कार्य सम्पादित करें जिससे की मातृ एवं शिशु की सतत् निगरानी की जा सके।